तकनीकी शिक्षा में अब पढ़ाई के साथ कमाई का भी मौका

राष्ट्रीय शिक्षा नीति
कदम बढ़े, चुनौती बाकी-3

अलोक केडियाल • जागरण

देहरादून : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को अध्ययन के साथ-साथ आय अर्जित करने का मौका भी दिया है। कौशल विकास में दक्ष विद्यार्थी बीटेक जैसे पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ अपने संस्थान में पार्टटाइम जाब कर सकेंगे। शिक्षाविदों का मानना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति सकारात्मक बदलाव का स्रोत होगी। यह छात्रों को उनके जीवन में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करने का भी प्रयास है। इसमें इस बात पर बल दिया गया कि यदि समाज को आगे बढ़ना है तो अपनी मानसिकता में ऐसे परिवर्तन लाने होंगे, जो शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य नौकरी प्राप्त करना ना समझें।

- कौशल विकास में दक्ष विद्यार्थी पार्टटाइम जाब के साथ अर्जित कर सकेंगे आय
- एनईपी छात्रों को उनके जीवन में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करेगी
- ऐसी मानसिकता विकसित करनी होगी, जिसमें छात्र शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ नौकरी न समझें

यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह • जागरण

यूटीयू में दिए जा रहे ये पांच साफ्ट स्किल प्रशिक्षण

इफेक्टिव टाइम मैनजमेंट, इफेक्टिव टीमवर्क, करिअर डेवलपमेंट गाइडेंस, इफेक्टिव प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और लीडरशिप एक्सीलेंसी

छात्रों और फैकल्टी को प्रवंधन में प्रवीणता एनईपी की धारणा

उत्तरांचल विवि के उपकुलपति प्रो. राजेश बहुगुणा बताते हैं कि साफ्ट स्किल प्रोग्राम (एसएसपी) ग्लोबल स्तर के छात्रों को उनके पेशेवर करिअर बनाने में मदद करेगा। साथ ही एसएसपी फैकल्टी को साफ्ट स्किल में दक्षता हासिल करने में भी सहयोग करेगा, ताकि उनके छात्रों को ज्ञान का बेहतर हस्तांतरण हो सके। इस प्रकार के प्रशिक्षण के दौरान छात्र, शिक्षक व पेशेवर अपने करिअर में लक्ष्य निर्धारण, योजना को प्राथमिकता देने और निर्णय लेने के लिए व्यावहारिक माडल प्राप्त कर सकते हैं।

> राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप तकनीकी शिक्षा को कौशल विकास के रूप में विकसित करने की अवधारणा पर कार्य किया जा रहा है। बहुविषयक पाठ्यक्रम, औद्योगिक प्रशिक्षण, वैश्विक स्तर पर तकनीकी पाठ्यक्रमों में आवश्यक परिवर्तन किया जा रहा है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी तकनीकी और रोजगार परख जैसी तकनीकी शिक्षा पर भी फोकस किया जा रहा है। उत्तराखंड में इस दिशा में कई कार्य प्रारंभ किए गए हैं जिसके सार्थक परिणाम कुछ समय बाद सामने आएंगे।
>
> – **प्रो. ओंकार सिंह**, कुलपति वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिक विवि

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) और उससे संबद्ध 10 कैंपस परिसरों के साथ संबद्ध स्ववित्तपोषित कालेज और 11 निजी विश्वविद्यालय में तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई संचालित हो रही है। इन संस्थानों में 30 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। पूर्व कुलपति डा. यूएस रावत कहते हैं कि एनईपी-2020 के तहत इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं को परंपरागत सेमेस्टर कक्षाओं के साथ-साथ कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जिससे छात्र पढ़ाई के दौरान ही उद्योगों के लिए पेशेवर और दक्ष मैनपावर बन सकें। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) में पांच अलग-अलग विषयों पर साफ्ट स्किल प्रोग्राम (एसएसपी) की कक्षाएं पहले से संचालित की जा रही हैं, ताकि दिन में छात्र-छात्राओं की नियमित कक्षाएं प्रभावित न हों। इस कार्यक्रम का संचालन अमेरिका स्थित इंक कंपनी के अध्यक्ष व आइआइटी (बीएचयू) वाराणसी के पूर्व छात्र डा. मनु के बोरा ने प्रारंभ किया। यह सभी प्रोग्राम आइलाइन मोड से संचालित हो रहे हैं।

उच्च शिक्षा में अर्न व्हाइल यू लर्न नीति लाने की तैयारी

तकनीकी शिक्षा के अनुसार उच्च शिक्षा में भी कौशल विकास को प्रभावी बनाकर छात्र-छात्राओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए इंटर्नशिप नीति बनाई जा रही है। देवभूमि उद्यमिता योजना से जुड़े विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा। साथ में राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के परिसरों में पढ़ाई के दौरान विद्यार्थी कमाई भी कर सकें, इसे ध्यान में रखकर अर्न व्हाइल यू लर्न नीति लाने की तैयारी है। उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था को अगले पांच वर्षों में दोगुना करने के प्रदेश सरकार के संकल्प को धरातल पर उतारने में देवभूमि उद्यमिता योजना की भूमिका महत्वपूर्ण रहने जा रही है। इसके लिए 60 से 120 घंटे की इंटर्नशिप कराई जाएगी। देवभूमि उद्यमिता योजना में पांच वर्षों में 15 हजार छात्र-छात्राओं को उद्यमिता का प्रशिक्षण मिलेगा।

यह हैं तकनीकी शिक्षा के समक्ष चुनौतियां

- यूटीयू से संबद्ध इंजीनियरिंग कालेजों में आधारभूत सुविधा बहाल करना।
- इंजीनियरिंग कालेजों में छात्रों की प्रतिशत शत प्रतिशत उपस्थिति के मानक का पालन
- दक्ष फैकल्टी की तैनाती ताकि एनईपी के तहत बदले सिलेबस को पढ़ाने में महारत हासिल हो
- तकनीकी संस्थान और उद्योगों के बीच हुए एमओयू के तहत छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण धरातल पर हो
- उद्योगों की जरूरत के अनुरूप तकनीकी पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव लाया ताकि मैनपावर का लाभ मिले
- एआइ, मशीन लर्निंग, डेटा ऐसालेसिस, साइबर सिक्योरिटी जैसे विषयों का अत्याधुनिक लैब तैयार करनी होगी।